

## स्वालंबी बनें महिलाएं

प्रियल (पर्वतावाट)। इसी दृश्य के प्रियोग किए जाते हैं। अभी यह सेवन का आधिकारिक रूप है।

1

1

निष्ठा

# बंद



# बायो

कानपुर, सोमवार २५ अप्रैल, २००४ है वेशाय कृष्ण पता १ से २०६२ वि.  
संस्कृत वेशाय कृष्ण पता १ से २०६२ वि.

# फस्खाबाद

**फरक्खाबाद**

महिलाएं अपने शैक को रोजगार का जरिया बनाएंगी : नीरा मिश्रा

यूथ वेलफेयर व नेपाली ड्रीम ट्रस्ट की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला शुरू होती है। इस कार्यशाला में कलाकार से लेकर प्रशिक्षण से सीखने वाले तक सभी लोगों को उत्सुक करने की उम्मीद है। उन्होंने बहुत कठिन भावनाएं दूर करने के लिए योग्य तरीके खोजने की कठिनता अवश्य दृष्ट से धूमधारी की अवधि अवधि रखने की उम्मीद की।

परिवर्तन और संविदान में अपना विकास करने की उम्मीद है।

संस्कृत वाच

रेकड़ा प्रशिक्षणार्थीयों ने ली रोजगारपरक ताजीम